खाजूवाला ट्रिपल मर्डर केस में तांत्रिक समेत आठ आरोपी गिरफ्तार

'तंत्र-मंत्र से रुपए डबल करने के अंधविश्वास में दो तांत्रिकों समेत तीन लोगों की मौत हो गई थी'

■ पुलिस पूछताछ में सामने आया कि 50 लाख रुपए पर तांत्रिक की नीयत बिगड़ गई थी, इसलिए उसने सभी को ठिकाने लगाकर रकम लेकर भागने का प्लान बनाया

बीकानेर, (निसं)। खाजूवाला में सात दिन पहले हुए ट्रिपल मर्डर केस का पुलिस ने खुलासा कर दिया। पुलिस ने मामले में तांत्रिक समेत आठ लोगों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस पूछताछ में सामने आया कि 50 लाख रुपए पर तांत्रिक की नीयत बिगड़ गई थी। इसलिए उसने सभी को ठिकाने लगाकर रकम लेकर भागने का प्लान बनाया। 12 जून की रात तीन बजे तांत्रिक ने जहरीला हलवा तैयार किया। उसने यह हलवा सभी लोगों गफ्फार, तांत्रिक शैतान सिंह और विक्रम सिंह, इनके अलावा तांत्रिक रामस्वरूप चौधरी, राजेंद्र पूनिया, डॉ. मनोज वर्मा और गफ्फार के बेटे सलमान को खिलाया। हलवा खाकर सलमान को छोड़ बाकी सभी बेहोश हो गए थे। सलमान ने पिता की हालत बिगड़ती देख उसने अपनी मां, घरवालों और रिश्तेदारों को बुला लिया। इसके बाद अपने परिजनों के साथ मिलकर तांत्रिक के पास रखे 50 लाख रुपए गायब करने का प्लान बनाया। सलमान ने 40 लाख रुपए कार में छुपा दिए और 10 लाख रुपए अपने जीजा मुश्ताक को दे दिए थे।

एसपी कावेंद्र सिंह सागर ने बताया कि खाजूवाला में तंत्र-मंत्र से रुपए डबल करने के अंधविश्वास के चक्कर में दो तांत्रिकों समेत तीन लोगों की मौत हो गई थी। यहां वार्ड 16 में रहने वाला गफ्फार (40) और चौधरी मेडिकल का मालिक राजेंद्र पूनिया तंत्र-मंत्र से रुपए डबल कराना चाहते थे। जोधपुर निवासी एक तांत्रिक शैतान सिंह के झांसे में आकर उन लोगों ने 50 लाख की रकम जुटा ली थी। यह रकम गफ्फार, राजेंद्र और दो-तीन अन्य लोगों की थी। 11 जून की रात गफ्फार के घर तांत्रिकों का जमावड़ा लग गया। इसमें तेलंगाना का तांत्रिक बी शिवा भी था। रुपयों के लालच में बी शिवा ने सभी लोगों को जहरीला हलवा खिला दिया, जिससे सभी लोग बेहोश हो गए। एसपी कावेंद्र सिंह सागर ने बताया कि गफ्फार के परिजन ने बी शिवा से उसके दोनों मोबाइल ले लिए और उसे पीटकर भगा दिया। सुबह पांच बजे गफ्फार के भांजे (साली के बेटे) युसूफ निवासी बेरियांवाली ने बी शिवा को अपनी बाइक पर बैठाकर राजीव सर्किल (खाजूवाला) छोड़ दिया। वहां से वह तेलंगाना फरार हो गया। इसके बाद सलमान ने दोनों तांत्रिकों शैतान सिंह और विक्रम सिंह को सलमान ने प्राइवेट टैक्सी से रवाना कर दिया। 50 किलोमीटर दूर जाकर दोनों ने दम तोड़ दिया। रामस्वरूप चौधरी और डॉ. मनोज वर्मा को होश आया तो सलमान और उसके घरवालों ने दोनों को बस में बैठाकर रवाना कर दिया। वे बीकानेर होते हुए मेड़ता रोड पहुंचे।

सलमान और उसके परिवार ने सभी को यही बताया कि बी शिवा 50 लाख रुपए और घर से गहने लेकर भाग गया है। सभी को भगाने के बाद वे सुबह गफ्फार को इँश हॉस्पिटल ले गए, जहां डॉक्टर ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। पिता की मौत के बाद भी सलमान अपने झूठ पर अड़ा रहा और बताया कि सभी को जहर देकर बी शिवा पैसे लेकर भाग गया। मामले में तेलंगाना के निजामाबाद से तांत्रिक बी शिवा और उसके ड्राइवर रामू माला की गिरफ्तारी के बाद सलमान और उसके परिवार का सच सामने आ गया। पुलिस ने मामले में अब तक तांत्रिक बी शिवा, उसके ड्राइवर रामू माला, तांत्रिक टीम के सदस्य रामस्वरूप चौधरी, डॉ. मनोज वर्मा, जितेंद्र तिवारी, धर्मेंद्र कुमार राम, सलमान और मुश्ताक को गिरफ्तार किया है।

जानकारी में यह भी सामने आया कि तांत्रिक शैतान सिंह अजमेर में तंत्र-मंत्र के नाम पर ठगी की कोशिश कर चुका था, लेकिन सफलता नहीं मिली। फिर उसने गफ्फार को रुपए डबल करने का झांसा दिया था। कहा था कि 50 लाख का इंतजाम कर लो, फिर करोड़ों में खेलेंगे। रकम जुटाने के बाद गफ्फार ने शैतान सिंह और विक्रम सिंह को पैसों का इंतजाम होने के बारे में बताया था। इसके बाद गफ्फार ने शैतान सिंह को खाजूवाला बुलाया। 9 जून को शैतान सिंह, विक्रम सिंह, कर्नाटक निवासी बी शिवा, रामस्वरूप चौधरी, डॉ. मनोज वर्मा सभी गफ्फार के घर पहुंच गए। महिलाओं को दूसरे घर भेज दिया गया। इसके बाद बी शिवा ने 50 हजार रुपए को डबल करके दिखाया। गफ्फार और राजेंद्र पूनिया (जिन्हें रकम डबल करानी थी) को विश्वास हो गया। खाजूवाला में चौधरी मेडिकल का मालिक राजेंद्र पूनिया पांच लाख रुपए लेकर आया था। यह रकम उसने गफ्फार को दे दी थी। बाकी के 45 लाख गफ्फार ने अलग-अलग जगह से इकट्ठा किए थे।

964 पाक विस्थापितों को नागरिकता प्रमाण पत्र दिये

■ नागरिकता प्रमाण पत्र पाकर कई पाक विस्थापितों की आंखें छलकी

जोधपुर, (कासं)। जनगणना कार्य निदेशालय, राजस्थान के निदेशक विष्णु चरण मल्लिक ने अपने दो दिवसीय दौरे के दौरान शनिवार को पाक विस्थापितों को नागरिकता प्रमाण पत्र वितरण करेंगे। इससे पहले गुरुवार को डॉ. एस.एन. मेडिकल कॉलेज, जोधपुर के सभागार में आयोजित नागरिकता प्रमाण पत्र वितरण शिविर में 964 पाक विस्थापितों को भारतीय नागरिकता के प्रमाण पत्र सौंपे। जैसे ही नागरिकता प्रमाण पत्र हाथों में आया, दशकों पुराना इंतज़ार आँखों से बह निकला। चेहरे पर संतोष और हृदय में भारत माता से जुड़ाव की अनुभूति स्पष्ट झलक रही थी। विस्थापन की पीड़ा अब भारतीय नागरिक होने के गर्व में परिवर्तित हो गई।

मल्लिक ने इस ऐतिहासिक क्षण को विस्थापितों के संघर्ष, धैर्य और उम्मीद की जीत बताते हुए सभी नव-नागरिकों को बधाई दी और कहा कि आज आपने केवल काग़ज़ नहीं, बल्कि अपनी पहचान पाई है। जिला कलेक्टर गौरव अग्रवाल ने उपस्थित लाभार्थियों को संबोधित करते हुए कहा, आज आपकी भारतीय नागरिकता की औपचारिक शुरुआत है। केंद्र और राज्य सरकारें आपके कल्याण के लिए निरंतर कार्यरत हैं। ये 964 प्रमाण पत्र केवल संख्या नहीं, बल्कि 964 संघर्ष और साहस की कहानियाँ हैं। उन्होंने संविधान प्रदत्त अधिकारों के साथ-साथ नागरिक कर्तव्यों के निर्वहन की भावना को आत्मसात करने का आग्रह किया।

अतिरिक्त जिला कलेक्टर (शहर प्रथम) उदयभानु चारण ने बताया कि दो दिवसीय यह नागरिकता प्रमाण पत्र वितरण शिविर शनिवार को प्रातः नौ बजे से सायं छह बजे तक जारी रहेगा। उन्होंने बताया कि गुरुवार को कुल 964 पाक विस्थापितों को नागरिकता प्रमाण पत्र प्रदान किए गए हैं। उल्लेखनीय है कि यह शिविर केंद्र और राज्य सरकारों की मानवीय संवेदना और दूरदर्शी सोच का प्रत्यक्ष उदाहरण है, जहाँ वर्षों के संघर्ष को सम्मान और स्थायित्व की सौगात मिली है।

दुष्कर्म मामले में फरार दो आरोपी गिरफ्तार

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर जिले के रूपवास थाना क्षेत्र में सामूहिक दुष्कर्म के एक गंभीर मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो फरार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस तीसरे आरोपी की तलाश कर रही है। यह कार्रवाई जिला पुलिस अधीक्षक मृदुल कच्छावा के निर्देशन में चलाए जा रहे वांछित अपराधियों की धरपकड़ अभियान के तहत की गई।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बयाना हरीराम आरपीएस के सुपरविजन और वृताधिकारी रूपवास नीरज भारद्वाज आरपीएस के नेतृत्व में गठित टीम ने यह कार्रवाई की। थाना रूपवास पर दर्ज प्रकरण के अनुसार, 10 जून 2025 को पीड़िता द्वारा तीन आरोपियों के विरुद्ध सामूहिक दुष्कर्म की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। पुलिस द्वारा की गई त्वरित जांच एवं अनुसंधान के दौरान नामजद आरोपी रोहित पुत्र राजाराम और रिंकू पुत्र प्रेम सिंह को गिरफ्तार किया गया है। तीसरे आरोपी की तलाश अभी जारी है।

डोडा-पोस्त के साथ एक तस्कर गिरफ्तार

पुलिस की गाड़ी देखकर भागा था, पूछताछ में कई खुलासे होंगे

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले को नशा मुक्त बनाने के लिए चलाए जा रहे अभियान ऑपरेशन सीमा संकल्प के तहत पुलिस ने एक नशा सप्लायर को दबोचा है। गजसिंहपुर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 4 किलो 200 ग्राम डोडा-पोस्त के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने मादक पदार्थ की तस्करी में संलिप्तता स्वीकार की है। पुलिस अब इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पड़ताल में जुट गई है।

पुलिस अधीक्षक गौरव यादव ने बताया कि शुक्रवार को गजसिंहपुर थानाधिकारी उप निरीक्षक सीर कौर मय जाब्ता रोही 25 आरबी क्षेत्र में गश्त पर थी। इसी दौरान एक व्यक्ति पुलिस वाहन को देखकर घबरा गया और मौके से भागने की कोशिश करने लगा। संदेह के आधार पर पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उस व्यक्ति के पास एक थैले में 4 किलो 200 ग्राम अवैध डोडा पोस्त मिला। पूछताछ में आरोपी की पहचान सुखबीर सिंह (40) पुत्र प्यारा सिंह, निवासी 23 आरबी, हाल निवासी 25 आरबी के रूप में हुई। आरोपी से मौके पर ही प्रारंभिक पूछताछ की गई, जिसमें उसने नशे के कारोबार में संलिप्तता स्वीकार की। पुलिस ने मौके पर ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया और एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। मामले की आगे की जांच थाना घमूड़वाली के थानाधिकारी पृथ्वीराज को सौंपी गई है। इस कार्रवाई में थानाधिकारी सीर कौर के साथ कॉन्स्टेबल पवन कुमार, महावीर प्रसाद, दयाराम और सुरेन्द्र कुमार शामिल थे।

मानव जीवन को खतरे में डाल रील बनाने वाला युवक कमलेश निरूद्ध

■ रेलवे पटरी पर सोकर ट्रेन अपने ऊपर से गुजरने की रील बनाई थी

■ बालोतरा पुलिस द्वारा सोशल मीडिया पर पैनी नजर रखी जा रही है

बालोतरा, (नि.सं.)। बालोतरा पुलिस ने रेलवे पटरी पर सोकर ट्रेन अपने ऊपर से गुजरने की रील बनाने का सोशल मीडिया पर वीडियो सामने आने के मामले में आरोपी को निरूद्ध किया है।

अमित जैन आईपीएस पुलिस अधीक्षक जिला बालोतरा ने बताया कि सोषल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म्स पर गहन साइबर पेट्रोलिंग कर सोशल मीडिया पर कड़ी निगरानी रखने एवं सोशल मीडिया पर किसी भी प्रकार की फैक/भ्रामक पोस्ट, गलत टिप्पणी, आपसी सौहार्द व कानून व्यवस्था बिगाड़ने सम्बन्धी एवं गैर-कानूनी पोस्ट करने वालों को चिन्हित कर उनके विरूद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई के विशेष अभियान के तहत दिए गए दिशा-निर्देशानुसार गोपालसिंह भाटी आरपीएस, नोडल अधिकारी, सोशल मीडिया सेल एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बालोतरा व सुशीलमान आरपीएस वृताधिकारी बालोतरा के निकट सुपरवीजन में चेलसिंह नि. थानाधिकारी बालोतरा के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा एक युवक द्वारा रेलवे पटरी पर सोकर अपने जीवन को खतरे में डालकर ऊपर से रेल गुजरने की रील बनाकर वायरल करने के मामले को गंभीरता से लेकर त्वरित कार्रवाई करते हुए शख्स कमलेश को निरूद्ध करने में सफलता हासिल की है। जानकारी के अनुसार 20 जून को एक युवक द्वारा रेलवे पटरी पर सोकर अपने जीवन को खतरे में डालकर अपने ऊपर से रेल गुजरने की रील बनाकर इंस्टाग्राम पर अपलोड करना ज्ञात हुआ। रेलवे ट्रेक पर इस तरह की रील का खतरनाक तरीके से बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल करने के मामले को गंभीरता से लेते हुए उक्त शख्स की इंस्टाग्राम आईडी के आधार पर कमलेश (21) पुत्र शिवलाल मेघवाल निवासी तिलवाड़ा पुलिस थाना जसोल के रूप में पहचान कर थाना बालोतरा की टीम राकेश कुमार सउनि. मय जाब्ता द्वारा कस्बा बालोतरा से दस्तयाब किया गया। घटनाक्रम रेलवे पुलिस क्षेत्र का होने से अग्रिम कार्रवाई के लिए आरपीएफ बालोतरा को सुपुर्द किया गया।

एक गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। नान्ता पुलिस टीम ने मुखबीर की सूचना पर अवैध देशी रिवाल्वर सहित आरोपी को गिरफ्तार किया है। नान्ता थाने के उपनिरीक्षक थानाधिकारी नवल किशोर शर्मा ने बताया कि थाने के सहायक उपनिरीक्षक शिवराज सिंह मय जाप्ता इलाके में गश्त कर रहे थे, गश्त के दौरान मुखबीर से सूचना मिली कि मोनीबाबा के आश्रम की तरफ वाली रोड़ पर पॉवरहाउस की दीवार के पास एक व्यक्ति अवैध हथियार लेकर खड़ा है। थानाधिकारी ने बताया कि उक्त सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और मुखबीर द्वारा बताये गये हुलिये के आधार पर खड़े व्यक्ति को डिटेन कर उसकी तलाशी ली।

रूपयों के लेनदेन की मानसिक प्रताड़ना के चलते युवक ने आत्महत्या की

सुसाइड नोट मिला, जिसमें कुछ लोगों से रूपये उधार लेने पर रूपयों के लेन-देन को लेकर मानसिक रूप से प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है

■ सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और दरवाजा तोड़ा तो युवक फन्दे पर लटका हुआ मिला

कोटा, (निसं)। बोरखेड़ा थाना इलाके के देवाशीष सिटी में रूपयों के लेन-देन की मानसिक प्रताड़ना के चलते युवक ने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक युवक ने आत्महत्या से पहले मौके पर सुसाइड नोट भी छोड़ा जिसमे कुछ लोगों से रूपये उधार लेने पर रूपयों के लेन-देन को लेकर मानसिक रूप से प्रताड़ित करने का आरोप लगाया। पुलिस ने सुसाइड नोट के आधार पर मामला दर्ज कर कुछ जनो के खिलाफ जांच शुरू कर दी है।

बोरखेड़ा थानाधिकारी देवेश भारद्वाज ने बताया कि देवाशीष सिटी निवासी दुष्यंत पांडे (35) ने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। थानाधिकारी ने बताया कि दुष्यंत ने सुसाईड से पहले एक सुसाईड नोट छोड़ा है जिसमें रूपयों के लेन-देन के बारे में लिखा है। थानाधिकारी ने बताया कि दुष्यंत ने सुसाइड नोट में कोटा निवासी नरेन्द्र नागर, रवि तिवारी सहित दो जनों के खिलाफ रूपयों के लेन-देन को लेकर मानसिक प्रताड़ना देते हुए अपनी मौत का जिम्मेदार बताया है। परिजनों को घटना का पता उस समय चला जब गुरूवार को दुष्यंत अपने कमरे में सोने गया और शुक्रवार सुबह काफी देर तक कमरे से बाहर नहीं आया जिस पर परिजनों ने दरवाजा खटखटाया तो कुंडी अंदर से लगी हुई थी। जिसकी सूचना परिजनों ने पुलिस को दी। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और दरवाजा तोड़ा तो युवक फांसी के फन्दे पर लटका हुआ मिला।

थानाधिकारी ने बताया कि मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया, मृतक के पास मिले सुसाइड नोट के आधार पर मामला दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है। जांच के बाद ही स्पष्ट होगा कि मृतक के ऊपर कोई कर्जा बाकि था या कर्जा देने वाले रूपया वसूलने के बाद उसको रूपयों के लिये ब्लैकमेल कर रहे थे।

पिता-पुत्र पर बदमाशों ने एसिड फैंका

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के गंगापुर थाना क्षेत्र में बेखौफ बदमाशों ने बीती रात दुकान से घर जा रहे बाइक सवार पिता-पुत्र पर एसिड फैंक दिया। इससे पिता-पुत्र झुलस गये, जिन्हें जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

जानकारी के अनुसार भरक निवासी जमनालाल (37) पुत्र नंदलाल बैरवा गुरुवार रात्रि को करीब 8.30 बजे सहाड़ा से अपनी दुकान बंदकर बाइक पर बेटे धनराज (17) के साथ घर जा रहा था। इस दौरान माताजी का खेड़ा तिराहे पर एक अन्य बाइक से आये दो बदमाशों ने उन पर एसिड फैंका, जिससे पिता-पुत्र झुलस गये। इसके बाद हमलावर मौके से फरार हो गये। जैसे-तैसे वह अपने बेटे के साथ घर पहुंचा और एंबुलेंस को सूचना दी। इसके बाद एंबुलेंस से उन्हें पहले गंगापुर और बाद में एमजी अस्पताल ले जाया गया। एमजी अस्पताल में पिता-पुत्र का उपचार किया जा रहा है। दूसरी और पुलिस हमले के आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है।

नसीराबाद में सेल्फी पॉइंट का लोकार्पण

नसीराबाद, (निसं)। छावनी क्षेत्र नसीराबाद में पर्यटन को बढ़ावा देने और शहर की सुंदरता में चार चांद लगाने के उद्देश्य से विकसित किए गए 'सेल्फी पॉइंट' का शुक्रवार को लालडिग्गी परिसर में भव्य लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर स्थानीय नागरिक, जनप्रतिनिधि और अधिकारी उपस्थित रहे। इस आकर्षक स्थल का उद्घाटन छावनी परिषद अध्यक्ष ब्रिगेडियर हरीश कुमार द्वारा किया गया। उनके साथ छावनी परिषद सीईओ नीतीश कुमार गुप्ता तथा नगरपालिका सीईओ पिंटू जाट विशेष रूप से उपस्थित रहे। 'सेल्फी पॉइंट' नसीराबाद की सांस्कृतिक विरासत, प्राकृतिक सौंदर्य और आधुनिकता का समन्वय प्रस्तुत करता है। यह स्थान विशेष रूप से युवाओं के लिए एक नया हॉटस्पॉट बनेगा, जहाँ वे अपनी यादों को कैमरे में कैद कर सकेंगे।

नापासर सरपंच सरला देवी को पद से हटाया

सरपंच पर नियम विरुद्ध भुगतान करने के आरोप लगाए गए थे

बीकानेर, (निसं)। यहां ग्राम पंचायत नापासर की सरपंच सरला देवी को पद से हटा दिया गया है। राज्य सरकार के आदेश पर निलंबन के आदेश जारी किए गए हैं। सरला देवी पर नियम विरुद्ध भुगतान करने के आरोप लगाए गए थे। जिसकी जांच के बाद ये कार्रवाई की गई है।

नगर पालिका अधिनियम 2009 की धारा 39(6) के अंतर्गत नगर पालिका नापासर के अध्यक्ष एवं सदस्य पद से तत्काल प्रभाव से हटाने के आदेश जारी किए गए हैं। जांच में पाया गया कि सरला देवी ने अपने कार्यकाल में बिना अनुमोदन के तीन कर्मचारियों की नियुक्ति की, जो नियम विरुद्ध पाई गई। इस मामले में कई स्तर पर जांच हुई है। स्थानीय स्तर पर छानबीन के बाद प्रकरण को स्थानीय निकाय विभाग के मुख्यालय भेजा गया था, जहां की रिपोर्ट तैयार हुई। इसी आधार पर सरपंच को सस्पेंड किया गया है। जांच के बाद दी गई रिपोर्ट में दिए गए स्पष्टीकरण का जवाब संतोषजनक नहीं मिलने पर विभाग ने नियमानुसार यह निर्णय लिया। सरपंच ने भुगतान नियमों के तहत बताया था लेकिन उसके लिए उपलब्ध साक्ष्य नहीं थे। आदेश में कहा गया है कि इस प्रकरण में आवश्यक कानूनी प्रक्रिया का पालन करते हुए कार्यवाही की जाएगी।

युवक का शव मिला

बीकानेर, (निसं)। जिले के श्रीडूंगरगढ़ कस्बे में हौद में युवक का शव मिला है। मौके से गुजर रहे राहगीर की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची थी। शव को बाहर निकाला गया। युवक की उम्र करीब 30 से 35 के करीब है।

पुलिस के अनुसार कालूबास में स्थित एक बाड़ी में बने होद के भीतर पानी में एक युवक का शव मिला है। हौद को पट्टी और टीनशेड से ढका हुआ था। हौद के पास से एक युवक गुजर रहा था। तब उसके ऊपर से टीनशेड हटा हुआ था। युवक ने अंदर झांका तो शव दिखा। इसके बाद श्रीडूंगरगढ़ पुलिस को सूचना दी गई। एसआई मोहन मीणा दल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को बाहर निकाला। मृतक की पहचान कस्बे के आडसर बास में रहने वाले अमित डागा (40) पुत्र भीखमचंद डागा के रूप में हुई है। उनके पिता की बाजार में दुकान है। डागा के एक जवान बेटे की मौत पहले हार्टअटैक से हो चुकी है। ये दूसरा बेटा था।

केवलादेव पक्षी विहार में "बया वीवर" पक्षी की बुनाई कला आकर्षण का केन्द्र बनीं

वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफर दीपक मुद्गल ने "बया वीवर" की कारीगरी को तस्वीरों में उकेरा है।

■ छोटा सा "बया वीवर" पक्षी, जिसे "बुनकर पक्षी" भी कहा जाता है, अपनी अनोखी घोंसला बुनाई की कला से सभी का मन मोह लेता है

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर का केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान, जिसे पक्षी विहार के नाम से भी जाना जाता है, पक्षी प्रेमियों के लिए स्वर्ग समान है। यहां की हरी-भरी हरियाली और शांत तालाबों के बीच देश-विदेश के रंग-बिरंगे पक्षी आकर्षण का केंद्र हैं। मानसून के मौसम में यहां का प्राकृतिक परिवेश अपनी अनुपम छटा बिखेरता है। इन सबके बीच, छोटा सा "बया वीवर" पक्षी, जिसे "बुनकर पक्षी" भी कहा जाता है, अपनी अनोखी घोंसला बुनाई की कला से सभी का मन मोह लेता है।

वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफर और नगर निगम पार्षद दीपक मुद्गल ने दो माह के अथक प्रयास और गहन अवलोकन के बाद "बया वीवर" के जीवन, व्यवहार और कारीगरी को अपनी तस्वीरों और अध्ययन में खूबसूरती से उकेरा है। प्रजनन काल में नर "बया वीवर" का सिर और गला चमकीला पीला-नारंगी, चेहरा काला और शरीर भूरा होता है, जो उसे अत्यंत आकर्षक बनाता है। अन्य समय में नर और मादा दोनों गौरैया जैसे भूरे और धारीदार दिखते हैं। इनकी छोटी, मजबूत चोंच बीज, अनाज और कीट खाने के लिए उपयुक्त होती है।

"बया वीवर" खजूर और बबूल के पेड़ों पर, विशेषकर जल स्त्रोतों के निकट, घास, पत्तियों और पौधों के रेशों से बोतलनुमा लटकते घोंसले बनाते हैं। नर अथक परिश्रम से इन जटिल घोंसलों को बुनता है, जिनमें एक लंबी प्रवेश नली होती है। ये घोंसले शिकारियों, जैसे साँपों, और बारिश से सुरक्षा प्रदान करते हैं। मादा इन घोंसलों का बारीकी से निरीक्षण करती है और सबसे उत्कृष्ट घोंसले का चयन करती है। नर द्वारा बनाए गए घोंसले यदि मादा को पसंद नहीं आते, तो वह उन्हें तोड़कर नए सिरे से निर्माण करता है। यह प्रक्रिया उसकी मेहनत और समर्पण का प्रतीक है। "बया वीवर" बीज, चावल, अनाज और कीटों का सेवन करते हैं। प्रजनन काल में ये कीटों का अधिक भक्षण करते हैं, जो पर्यावरण में कीट नियंत्रण में महत्वपूर्ण योगदान देता है। समूह में रहने की उनकी आदत उनकी सामाजिकता को दर्शाती है। नर अपनी बुनाई कला से मादाओं को आकर्षित करते हैं और कई घोंसले बनाकर अपनी कुशलता का प्रदर्शन करते हैं।

स्थानीय संस्कृति में "बया वीवर" के घोंसले मेहनत, कला और प्रकृति की रचनात्मकता के प्रतीक माने जाते हैं। प्रजननकाल के बाद खाली हो चुके इन मजबूत घोंसलों को लोग सजावट के लिए उपयोग करते हैं। प्रत्येक प्रजनन काल में ये पक्षी नए घोंसले बनाते हैं, जो उनकी निरंतर रचनात्मकता को दर्शाता है। दीपक मुद्गल का यह प्रयास न केवल "बया वीवर" की कारीगरी और सुंदरता को उजागर करता है, बल्कि जैव-विविधता और पर्यावरण संतुलन के महत्व को भी रेखांकित करता है। उनके अनुसार, अजान बांध, कुम्हेर रोड, बृज विश्वविद्यालय और रूपवास जैसे क्षेत्रों में "बया वीवर" के दर्शन और उनकी कला को निहारने का अनुपम सुख प्राप्त किया जा सकता है। यह कारीगरी प्रकृति की अनमोल देन है, जो हमें पर्यावरण संरक्षण और जैव-विविधता के प्रति जागरूक होने की प्रेरणा देती है।

मंदिर के ताले तोड़कर छत्र, जेवर व नकदी चुराई

■ ऐतिहासिक धरोहर मीनार पर स्थित यक्षणी माता मंदिर को चोरों ने निशाना बनाया

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के मांडल थाना क्षेत्र में गुरुवार देर रात्रि को मांडल कस्बे की ऐतिहासिक धरोहर मीनार पर स्थित यक्षणी माता मंदिर को चोरों ने बीती रात निशाना बनाया।

अज्ञात चोरों ने मंदिर के ताले तोड़कर अंदर प्रवेश किया और माता की प्रतिमाओं पर लगे छत्र व जेवरात, साथ ही दानपेटी में रखी नकदी चोरी कर ली। सबसे हैरानी की बात यह रही कि शातिर चोर मंदिर परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों का डीवीआर भी अपने साथ ले गए, जिससे उनकी पहचान नहीं सके। सुबह मंदिर पहुंचे पुजारी भारमल माली जब आरती की तैयारी में लगे थे, तब उन्होंने मंदिर में टूटे ताले और बिखरी हालत देखकर तत्काल घटना की सूचना मंदिर समिति अध्यक्ष बिहारीलाल सारस्वत को दी। अध्यक्ष सारस्वत ने पुलिस को सूचित कर मौके पर बुलाया। मंदिर समिति अध्यक्ष बिहारी लाल ने बताया कि पुजारी द्वारा सूचना मिली कि माताजी के मंदिर चोरी हो गई है। पुजारी की सूचना मिलते ही पुलिस को सूचित कर दिया। यहां मौके पर आए तो ताले टूरे हए मिले, सबसे पहले कैमरे और डीवीआर कमरे के ताले टूटे हुए देखे गए। उसके बाद मेन गेट का ताला टूटा और माता जी के गेट के यहां ताले टूटे थे, दानपात्र का ताला टूटा हुआ दिखाई दिया। माता जी के चांदी के दो मुकुट, दानपात्र जिसमें 25-30 हजार कैश था, कमरे में लगा कैमरा और डीवीआर भी चोर ले गए। घटना की जानकारी मिलते ही समिति पदाधिकारियों में आक्रोश फैल गया। समिति सदस्यों ने पुलिस गश्त को लेकर नाराजगी जताई और चोरों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की। मंदिर प्रांगण में श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई, सभी ने घटना को लेकर गहरी चिंता जताई। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर जाच शुरू कर दी है। स्थानीय लोगों ने पुलिस से रात्रिकालीन गश्त बढ़ाने की मांग की है।

लूट की वारदात करने वाले गिरफ्तार

■ 11 अप्रैल को कार से कई पेट्रोल पंपों पर लूट की वारदातें की थी

नोखा, (निसं)। स्थानीय पुलिस ने पेट्रोल पंप लूट के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी अमित स्वामी ने बताया कि मकराना निवासी मनीष भाकर, नागौर निवासी प्रेम मेघवाल, गजनेर निवासी अर्जुन कुम्हार को गिरफ्तार किया है। इन्होंने 11 अप्रैल को बिना नंबर की स्विफ्ट कार से कई पेट्रोल पंपों पर लूट की वारदातों को अंजाम दिया था। पहले श्रीबालाजी थाना क्षेत्र के गंठीलासर गांव के पेट्रोल पंप पर लूट का प्रयास किया। सेल्समैन की सतर्कता से वहां असफल रहे। इसके बाद बीकानेर-नागौर राजमार्ग पर नोखा थाना क्षेत्र के चरकड़ा गांव के पेट्रोल पंप से रुपए और मोबाइल लूटे। बदमाशों ने नोखा, मुकाम और काकड़ा होते हुए जसरासर के जसनाथ पेट्रोल पंप पर भी लूट की। फिर उड़सर कैंप, झाड़ेली और थावरिया होते हुए मैनसर पेट्रोल पंप पर वारदात की। लालगढ़ पेट्रोल पंप पर भी लूट की। जोगलसर में पेट्रोल पंप का शीशा तोड़ा, लेकिन सुबह होने के कारण भाग गए।